

Rajat

07 Nov 1993

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	6-07/11/1993
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	03:50:00 घंटे
इष्ट	53:06:31 घटी
स्थान	Indore
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:43:10 उत्तर
रेखांश	75:51:27 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:34 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:23:25 घंटे
वेलान्तर	00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल	06:27:58 घंटे
सूर्योदय	06:35:23 घंटे
सूर्यास्त	17:44:58 घंटे
दिनमान	11:09:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:44:50 तुला
लग्न के अंश	12:40:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण	पुष्य - 4
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:40:35	332:34:47	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			तुला	20:44:50	01:00:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	16:24:30	13:32:32	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंग	अ		वृश्चि	04:34:50	00:42:52	अनुराधा	1	17	मंग	शनि	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	तुला	18:56:21	01:17:36	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	05:29:51	00:12:50	चित्रा	4	14	शुक्र	मंग	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	03:31:32	01:15:03	चित्रा	4	14	शुक्र	मंग	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			मकर	29:56:27	00:01:01	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंग	शनि	स्वराशि
राहु			वृश्चि	09:22:30	00:00:19	अनुराधा	2	17	मंग	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृश्चि	09:22:30	00:00:19	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	25:08:13	00:01:59	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:59:32	00:01:13	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लू			वृश्चि	01:13:10	00:02:22	विशाखा	4	16	मंग	गुरु	मंग	---
दशम भाव			मिथु	12:38:56	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

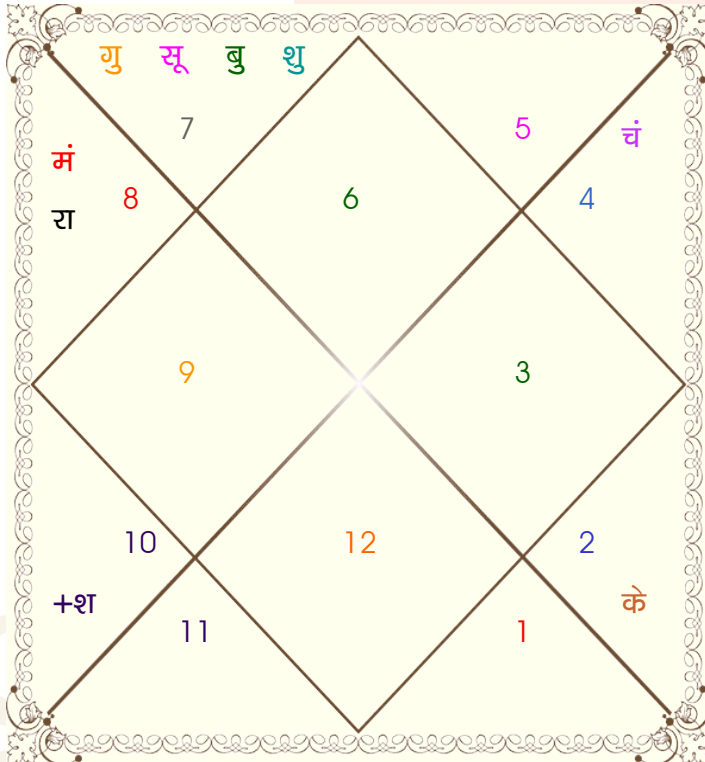
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

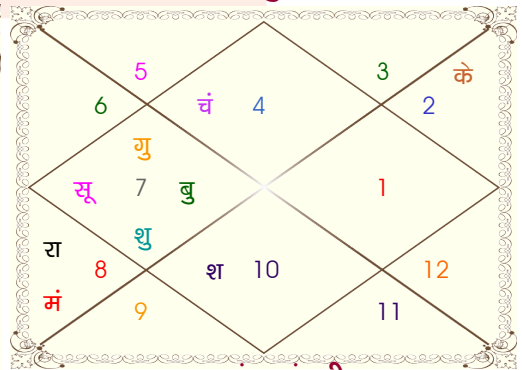
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:30

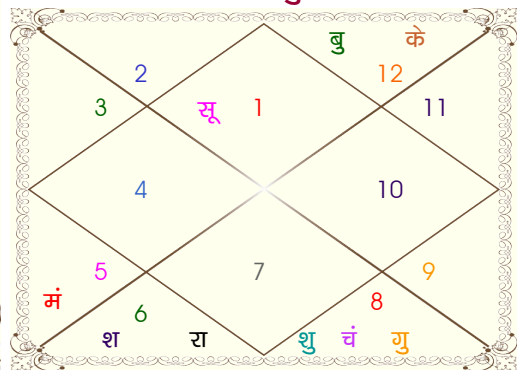
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमाश कुंडली



चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि
1	सिंह 27:40:19
2	कन्या 27:40:19
3	तुला 27:39:46
4	वृश्चिक 27:39:13
5	धनु 27:39:13
6	मकर 27:39:46
7	कुम्भ 27:40:19
8	मीन 27:40:19
9	मेष 27:39:46
10	वृष 27:39:13
11	मिथुन 27:39:13
12	कर्क 27:39:46

भाव मध्य
कन्या 12:40:35
तुला 12:40:02
वृश्चिक 12:39:29
धनु 12:38:56
मकर 12:39:29
कुम्भ 12:40:02
मीन 12:40:35
मेष 12:40:02
वृष 12:39:29
मिथुन 12:38:56
कर्क 12:39:29
सिंह 12:40:02

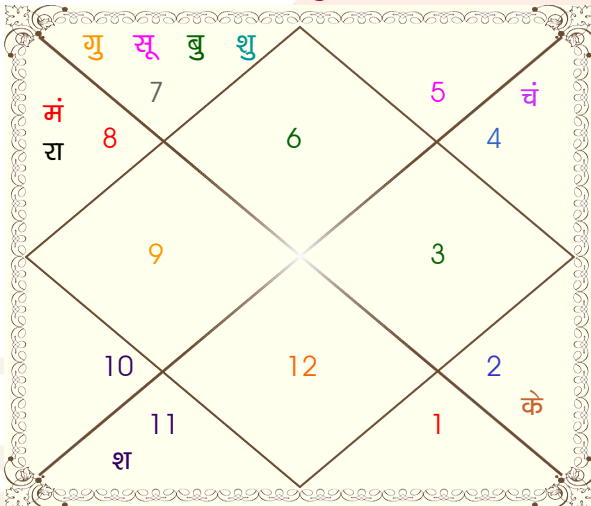
निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	कन्या	12:40:35
2	तुला	11:43:00
3	वृश्चिक	11:59:38
4	धनु	12:38:56
5	मकर	13:29:45
6	कुम्भ	13:58:59
7	मीन	12:40:35
8	मेष	11:43:00
9	वृष	11:59:38
10	मिथुन	12:38:56
11	कर्क	13:29:45
12	सिंह	13:58:59

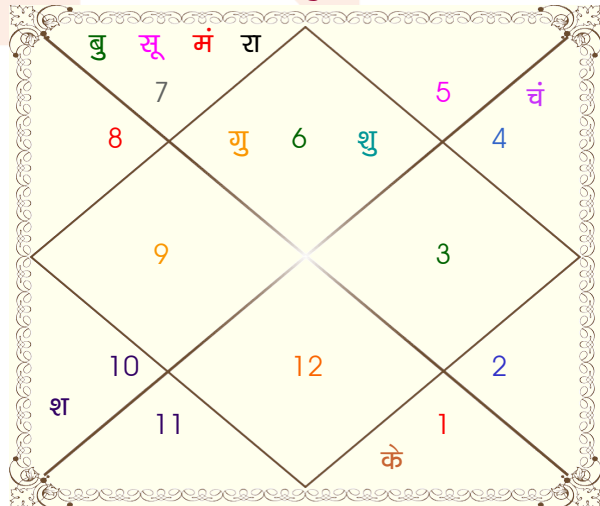
तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली



भाव कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 4 मास 12 दिन

शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य
07/11/1993	21/03/1994	21/03/2011	21/03/2018	21/03/2038
21/03/1994	21/03/2011	21/03/2018	21/03/2038	21/03/2044
शनि 00/00/0000	बुध 17/08/1996	केतु 18/08/2011	शुक्र 21/07/2021	सूर्य 09/07/2038
बुध 00/00/0000	केतु 14/08/1997	शुक्र 17/10/2012	सूर्य 21/07/2022	चंद्र 07/01/2039
केतु 00/00/0000	शुक्र 14/06/2000	सूर्य 22/02/2013	चंद्र 21/03/2024	मंग 15/05/2039
शुक्र 00/00/0000	सूर्य 20/04/2001	चंद्र 23/09/2013	मंग 21/05/2025	राहु 08/04/2040
सूर्य 00/00/0000	चंद्र 20/09/2002	मंग 19/02/2014	राहु 21/05/2028	गुरु 25/01/2041
चंद्र 00/00/0000	मंग 17/09/2003	राहु 09/03/2015	गुरु 20/01/2031	शनि 07/01/2042
मंग 00/00/0000	राहु 05/04/2006	गुरु 13/02/2016	शनि 21/03/2034	बुध 14/11/2042
राहु 07/11/1993	गुरु 11/07/2008	शनि 24/03/2017	बुध 19/01/2037	केतु 21/03/2043
गुरु 21/03/1994	शनि 21/03/2011	बुध 21/03/2018	केतु 21/03/2038	शुक्र 21/03/2044
चन्द्र	मंगल	राहु	गुरु	शनि
21/03/2044	21/03/2054	21/03/2061	21/03/2079	21/03/2095
21/03/2054	21/03/2061	21/03/2079	21/03/2095	08/11/2113
चंद्र 19/01/2045	मंग 17/08/2054	राहु 02/12/2063	गुरु 09/05/2081	शनि 24/03/2098
मंग 20/08/2045	राहु 05/09/2055	गुरु 27/04/2066	शनि 20/11/2083	बुध 02/12/2100
राहु 19/02/2047	गुरु 11/08/2056	शनि 03/03/2069	बुध 25/02/2086	केतु 11/01/2102
गुरु 20/06/2048	शनि 20/09/2057	बुध 20/09/2071	केतु 01/02/2087	शुक्र 13/03/2105
शनि 19/01/2050	बुध 17/09/2058	केतु 08/10/2072	शुक्र 02/10/2089	सूर्य 23/02/2106
बुध 21/06/2051	केतु 13/02/2059	शुक्र 08/10/2075	सूर्य 21/07/2090	चंद्र 24/09/2107
केतु 20/01/2052	शुक्र 14/04/2060	सूर्य 01/09/2076	चंद्र 20/11/2091	मंग 02/11/2108
शुक्र 20/09/2053	सूर्य 20/08/2060	चंद्र 03/03/2078	मंग 26/10/2092	राहु 09/09/2111
सूर्य 21/03/2054	चंद्र 21/03/2061	मंग 21/03/2079	राहु 21/03/2095	गुरु 08/11/2113

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से ऋ निष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	7
भाग्यांक	4
मित्र अंक	2, 3, 6, 7, 4
शत्रु अंक	5, 8
शुभ वर्ष	25, 34, 43, 52, 61
शुभ दिन	बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	धनु, वृष, कर्क
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना, ओपल
भाग्य रत्न	हीरा
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	हरित
शुभ दिशा	उत्तर
शुभ समय	सूर्योदय के बाद
दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
दान अन्न	मूँग
दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा शृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सौंपकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

जीवन रत्न:	पन्ना	धन,व्यावसायिक उन्नति,स्वास्थ्य	
भाग्य रत्न:	हीरा	धन,भाग्योदय,स्वास्थ्य	
कारक रत्न:	नीलम	सन्तति सुख,शत्रु व रोग मुक्ति,स्वास्थ्य	
दशा	रत्न	क्षमता	मंत्र-जप / व्रत / दान / लाभ
शनि	पन्ना	77%	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः (23000)
07/11/1993	नीलम	68%	शनिवार,उड़द, कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह, तेल
21/03/1994	हीरा	65%	सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति, शत्रु व रोग मुक्ति
बुध	पन्ना	96%	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
21/03/1994	हीरा	73%	बुधवार,मूंग, हाथी दाँत, कपूर, फल, घी
21/03/2011	नीलम	46%	धन, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
केतु	पन्ना	82%	ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः (17000)
21/03/2011	हीरा	73%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, तेल
21/03/2018	नीलम	43%	भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
शुक्र	पन्ना	86%	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
21/03/2018	हीरा	83%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
21/03/2038	नीलम	49%	धन, भाग्योदय, स्वास्थ्य
सूर्य	पन्ना	82%	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
21/03/2038	हीरा	66%	रविवार,गेहूँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
21/03/2044	नीलम	43%	धन, कम खर्च, स्वास्थ्य
चन्द्र	पन्ना	77%	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
21/03/2044	हीरा	61%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
21/03/2054	नीलम	51%	धनार्जन, कम खर्च, स्वास्थ्य
मंगल	पन्ना	79%	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
21/03/2054	हीरा	70%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, तेल
21/03/2061	नीलम	48%	पराक्रम, दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया कन्या लग्न में उत्पन्न जातक अध्ययनशील होते हैं तथा विभिन्न विषयों के ज्ञानार्जन में उनकी रुचि रहती है। सदगुणों से वे युक्त रहते हैं परन्तु स्त्रियों के प्रति उनके मन में आकर्षण की प्रबलता रहती है। वे भाग्यशाली भी होते हैं तथा उनके सांसारिक महत्व के कार्य अल्प परिश्रम के द्वारा ही भाग्यबल से सम्पन्न हो जाते हैं फलतः कार्यक्षेत्र में वे उन्नतिशील रहते हैं। उनकी बुद्धि भी तीक्ष्ण होती है तथा कठिन से कठिन विषय को समझने तथा समाधान करने में वे समर्थ रहते हैं। राजनीति में यद्यपि उनकी रुचि अल्प होती है तथापि राजकार्यों में सलाहकार या सचिव अथवा प्रशासनिक क्षेत्र में वे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त बुद्धि द्वारा संचालित होते हैं तथा भावुकता की इनमें न्यूनता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आप आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। अध्ययन के प्रति आपकी रुचि रहेगी तथा कला लेखन मनोविज्ञान या आलोचना आदि के क्षेत्र में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। अपनी योग्यता एवं स्वभाव से जीवन में आपको सुखैश्वर्य एवं भौतिक संसाधनों की प्राप्ति होगी। आपकी बुद्धि भी तीव्र होगी एवं गूढ़ से गूढ़ समस्याओं का समाधान करने में समर्थ होंगे।

लग्न में लग्नेश बुध की राशि के प्रभाव से आपका स्वरूप सुन्दर एवं आकर्षक होगा तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगे। आपकी वाणी मधुर एवं ओजस्वी होगी तथा आदर्श वक्ता के रूप में आप जाने जाएंगे। व्यावहारिक रूप से आप अत्यंत ही कुशलता का प्रदर्शन करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। कला एवं साहित्य के प्रति आपकी विशेष रुचि होगी तथा लेखन सम्पादन आदि में भी सफलता अर्जित करेंगे। शारीरिक बल की आप में प्रचुरता रहेगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम से जीवन में इच्छित धनवैभव एवं भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही समाज एवं कार्य क्षेत्र में आप प्रतिष्ठित तथा यशस्वी व्यक्ति होंगे।

स्वभाव से आप शांत एवं उदार रहेंगे तथा समय पर अन्य जनों के उपकार करने में भी तत्पर होंगे श्रेष्ठ कार्यों को करने में आपकी हमेशा रुचि रहेगी। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी तीव्र बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करेंगे एवं गूढ़ से गूढ़ विषय को भी आत्मसात करने में सफल होंगे।

धर्म के प्रति आपकी प्रबल आस्था रहेगी तथा समय समय पर श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्यकलापों तथा अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगे। अपने इन कार्यों से आपको आत्मिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय होंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग समय समय पर मिलता रहेगा। इस प्रकार आप अपनी बुद्धिमत्ता योग्यता एवं पराक्रम से अपने महत्वपूर्ण कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे तथा उनमें इच्छित सफलता अर्जित करके शांतिपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दम्पति, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है सामान्यतया सप्तम भाव में मीन राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी सुशील वात कफ प्रकृति वाला आस्तिक एवं धनवान होता है। वह स्वभाव से सौम्य, कर्तव्य परायण एवं सांसारिक कार्यों में दक्ष होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील होंगी तथा स्वभाव से सौम्य रहेगी। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में वह बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करेंगी जिससे यथा समय कार्य पूर्ण होंगे साथ ही कर्तव्य परायणता के भाव से भी युक्त होंगी।

आपकी पत्नी का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा कद भी सामान्य रहेगा साथ ही शारीरिक संरचना उनकी आकर्षक होगी तथा अंग प्रत्यंग भी सुडौल एवं पुष्ट होंगे जिससे उनके व्यक्तित्व एवं सौन्दर्य के आकर्षण में वृद्धि होगी। सौन्दर्य की वृद्धि के लिए समयानुसार आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का प्रयोग करेंगी। कला एवं संगीत में उनकी रुचि होगी तथा इस पर अपना समय भी व्यतीत करेंगी इसके अतिरिक्त भौतिक एवं संदर वस्तुओं के प्रति भी उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा सम्पन्न होगा या आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह भी सम्पन्न कर सकते हैं विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी होगा एवं एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना रहेगी साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को एक दूसरे की सलाह तथा सहमति से सम्पन्न करेंगे।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में सम्पन्न होगा तथा विवाह में आपको प्रचुर मात्रा में दहेज के रूप में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवं अन्यत्र से भी बहुमूल्य उपकरण तथा वस्तुएं उपहार में मिलेंगी। सास ससुर के साथ में आपके औपचारिक संबंध बने रहेंगे तथा विवाह के बाद भी उनसे नैतिक तथा अन्य प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का सेवा भाव अनुकूल रहेगा तथा वह सुख दुख में उनका यथोचित ध्यान रखेंगी। देवर एवं ननदों को प्रभावित तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगी।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा लाभ एवं उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

Yearly Prediction - 2015

This year Jupiter will be passing over the fourth house so this year will be generally good for you. During the period you will enjoy good health and mental peace. At home also the atmosphere will be harmonious. Many of your projects will be successfully launched. You will get the desired success and profit in your field of work or business. Your financial position will be average as you will earn the necessary amount of money. The people around you will appreciate and respect you. This year you may gain land properly. You will be benefited through your mother and in-laws. The other family

This part of report is not available in free horoscope

To download your premium horoscope [CLICK HERE →](#)

in your power and value and the people around you will accept your influence. You will be capable of defeating your enemies and they will remain under constant fear and tension. This year you have strong chances of getting success in competitive exams or litigation. Your financial position will also be strong as there will be an increase in your sources of income but you may not be keeping good health. You may be prone towards diseases like stomach disorder, constipation or gastric trouble. You may also tend toward extravagance during the period.



FUTUREPOINT
Astro Solutions



More feature await you in our detailed Horoscope

Dasha readings

Yearly Predictions

Numerology Predictions

Yoga predictions (Based on astrological combinations)

Nakshatra Reading

Lalkitab predictions

20 YEAR GRAPHS for Health, Finanace & Emotion

Sadesati (Saturn's period)

Kalsarp Dosh

Manglik Dosh

Lucky Substitute Stones

Numerology Recommendations

Lal Kitab Remedies



FUTUREPOINT
Astro Solutions







Best Horoscopes Model Comparison

Worried? Things are not going according to you?

Stop worrying....Make your **Online Horoscope** & Get answers for your life's problems

Choose from most popular horoscope models...

	Free Horoscope	My Kundli	Popular Kundliphal	Kundli Darpan	Bhrigu Patrika
	Free	Rs. 299	Rs. 499	Rs. 999	Rs. 1999
KUNDLI FEATURES	Make Now	Make Now	Make Now	Make Now	Make Now
Pages in Horoscope	8	22	39	80	171
Charts & Calculations	 Basic Includes Avakhada chakra, Planetary Degree/Positions, Favourable Points, Birth chart, Moon chart, Navamsha, Chalit & Cuspal chart	 Basic Includes Birth details with Panchang, Planetary Degree/Positions, Favourable Points, Birth chart, Moon chart, Navamsha chart, Chalit & Cuspal chart	 Basic Plus Includes My Kundli + Karak, Avastha and Rashmi	 Advanced Includes Kundlilal + Sudarshan chakra + KP System + Divisional charts + Jaimini astrology + Shadbal + Ashtak Varga and 10 more items	 Comprehensive Includes Kundli Darpan + Graph for Shadbal & Ashtakvarga and 20 more items
Dasha Calculations	 Vimshottari Dasha, Antar Dasha	 Vimshottari Dasha upto pratyantar	 Vimshottari Dasha Extended	 Vimshottari & Yogini Dasha with Sookshma Details	 7 types of dashas (with Sookshma details)
PREDICTIONS					
House predictions about your Health, Finance, Marriage, Career etc.	 Limited	—		 Extended	 Extended
Planet readings about 9 planets in your horoscope	—				
Dasha readings	—	 10 years	 10 years	 10 years	 30 Years
Yearly predictions (Transit predictions)	—	—	 5 years	 5 years	 20 years
Yoga predictions (Based on astrological combinations)	—	—	—		
Numerology predictions	—	—	—	 Basic	 Detailed
Nakshatra Reading	—	—	—	—	 Extended
Lalkitab predictions	—	—	—	—	
20 YEAR GRAPHS for Health, Finance & Emotion	—	—	—	—	
REMEDIES					
Gem Therapy					
Sadesati (Saturn's period)	—				
Kalsarp Dosh	—				
Manglik Dosh	—				
Lucky Substitute Stones	—	—			
Numerology Recommendations	—	—	—	—	
Lal Kitab Remedies	—	—	—	—	
	Free	Rs. 299	Rs. 499	Rs. 999	Rs. 1999
	Make Now	Make Now	Make Now	Make Now	Make Now